नर्मदा जी की आरती

https://www.knowledgelove.com/hindi/religion/narmada-ji-ki-aarti

ॐ जय जगदानन्दी,

मैया जय आनंद कन्दी।

ब्रह्मा हरिहर शंकर, रेवा

शिव हरि शंकर, रुद्रौ पालन्ती॥

ॐ जय जगदानन्दी.....

देवी नारद सारद तुम वरदायक,

अभिनव पदचण्डी।

सुर नर मुनि जन सेवत,

सुर नर मुनि...

शारद पदवन्ती।

ॐ जय जगदानन्दी.....

देवी धूमक वाहन राजत,

वीणा वाद्यन्ती।

झुमकत-झुमकत-झुमकत,

झननन झननन रमती राजन्ती।

ॐ जय जगदानन्दी.....

देवी बाजत ताल मृदंगा,

सुर मण्डल रमती।

तोड़ीतान-तोड़ीतान-तोड़ीतान,

तुरड़ड़ तुरड़ड़ रमती सुरवन्ती।

ॐ जय जगदानन्दी.....

देवी सकल भुवन पर आप विराजत,

निशदिन आनन्दी।

गावत गंगा शंकर, सेवत रेवा शंकर

तुम भव मेटन्ती।

ॐ जय जगदानन्दी.....

मैयाजी को कंचन थार विराजत,

अगर कपूर बाती।

अमरकंठ में विराजत,

घाटन घाट ,

कोटि रतन ज्योति।

ॐ जय जगदानन्दी.....

मैयाजी की आरती,

निशदिन पढ़ीं गावें,

हो रेवा जुग-जुग नर गावें,

भजत शिवानन्द स्वामी

जपत हरि मनवांछित फल पावे।

ॐ जय जगदानन्दी,

मैया जय आनंद कन्दी।

ब्रह्मा हरिहर शंकर, रेवा

शिव हरि शंकर, रुद्रौ पालन्ती ॥